नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

ज्ञान शांति मैत्री

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

पद्मश्री शोभना नारायण के कत्थक नृत्य ने बांधा समां

दत्ता मेघे सभागार में वर्धा में पहली बार हुआ आयोजन

हिंदी विवि, दत्ता मेघे आयुर्विज्ञान अभिमत विवि, दक्षिण मध्य सांस्कृतिक केंद्र का संयुक्त आयोजन

वर्धा दि. 18 जुलाई 2015: विश्व-प्रसिद्ध नृत्यांगना पद्मश्री शोभना नारायण की कत्थक नृत्य प्रस्तुति ने शुक्रवार को सावंगी मेघे, वर्धा स्थित दत्ता मेघे सभागार में समां बांध दिया। लगभग दो घंटे की

की अपनी प्रस्तुति में उन्होंने अनेक कालजयी प्रस्तुतियां दी। यह ऐतिहासिक कार्यक्रम महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, दत्ता मेघे आयुर्विज्ञान अभिमत विश्वविद्यालय, वर्धा तथा दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर के संयुक्त प्रयास से सम्पन्न हुआ।

इस मौके पर शोभना नारायण का स्वागत करते हुए हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने कहा कि शोभना जी का नृत्य भारतीयता की पहचान है। कार्यक्रम के दौरान शोभना नारायण ने महाभारत के दो प्रसंगो द्रौपदी का चीरहरण तथा कर्ण कुंती संवाद पर नृत्य प्रस्तुत किया। आकर्षक प्रकाश व्यवस्था तथा संगीत के बीच उन्होंने द्रौपदी और कुंती जैसे महाभारत के प्रसिद्ध पात्रों को मंच पर जीवंत कर दिया।

महाभारत के बाद उन्होंने मैथिली शरण गुप्त की यशोधरा पर भी नृत्य किया। उसमें नारी जीवन की पीड़ा व्यक्त हुई। इस अवसर पर मैथिली शरण गुप्त के परिवार के मुख्य सदस्य भी मौजूद थे। अपनी प्रस्तुति के अंत में शोभना जी ने कहा कि वर्धा में नृत्य प्रस्तुत करके उन्हें बेहद संतुष्टि मिली है। वे यहां फिर आना चाहेंगी।

कार्यक्रम का प्रारंभ कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र, प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र, दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर के निदेशक पीयूष गोयल, दत्ता मेघे आयुर्विज्ञान अभिमत विश्वविद्यालय के उदय मेघे, मुख्य समन्वयक एस. एस. पटेल, किसान नेता विजय जावंधिया, प्रो. सुरेश शर्मा की उपस्थिति में दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। समारोह का संचालन प्रो. सुरेश शर्मा ने किया एवं आभार प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र ने माना। कार्यक्रम में वर्धा के गणमान्य नागरिक, कला प्रेमी, रसिक एवं छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

पद्मश्री शोभना नारायणच्या कत्थक नृत्याने श्रोते झाले मुग्ध

वर्धेत पहिल्यांदा महाभारत आणि यशोधरा प्रसंगाची जीवंत प्रस्तुती

हिंदी विवि, दत्ता मेघे आयुर्विज्ञान अभिमत विवि, दक्षिण मध्य सांस्कृतिक केंद्राचे संयुक्त आयोजन

वर्धा दि. 18 जुलै 2015: विश्व-प्रसिद्ध नृत्यांगना पद्मश्री शोभना नारायण यांच्या कत्थक नृत्याच्या सादरीकरणाने शुक्रवारी वर्धेकर श्रोत्यांना मुग्ध केले. शोभना नारायण यांचा वर्धेत हा पहिलाच कार्यक्रम

होता. त्यांनी आपल्या सादरीकरणातून महाभारतातील द्रौपदीचे वस्त्रहरण, कर्ण कुंती आणि मैथीली शरण गुप्ता यांच्या यशोधरा या कथेतील पात्र हुबेहुब उभे करत श्रोत्यांच्या मनाचा ठाव घेतला. स्थानिक दत्ता मेघे सभागृहात हे आयोजन महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, दत्ता मेघे आयुर्विज्ञान अभिमत विश्वविद्यालय, वर्धा आणि दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपूर यांच्या संयुक्त प्रयत्नातून करण्यात आले. जवळपास दोन तास त्यांनी रसिकांना खिळवून ठेवत अनेक कत्थक नृत्याच्या माध्यमातून अनेक ऐतिहासिक प्रसंग सादर केले.

शोभना नारायण यांचे स्वागत करतांना हिंदी विश्वविद्यालयाचे कुलगुरु प्रो. गिरीश्वर मिश्र म्हणाले की शोभना जींचे नृत्य भारतीयतेची ओळख आहे. आकर्षक प्रकाश व्यवस्था आणि सुमधुर संगीताची साथ यांच्या संगमातून त्यांनी द्रौपदी आणि कुंती सारखे महाभारतातील प्रसिद्ध पात्र तसेच यशोधरा हे पात्र मंचावर हूबेहुब उभे केले

वर्धेतील रसिकांची साद आणि दाद पाहून त्या म्हणाल्या की येथे मला उत्स्फूर्त प्रतिसाद मिळाल्याने मी खूप खूश झाले. वर्धेत पुन्हा येण्याची मनीषा त्यांनी व्यक्त केली.

कार्यक्रमाची सुरूवात प्रो. गिरीश्वर मिश्र, प्रो. चित्तरंजन मिश्र, दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपूचे निदेशक पीयूष गोयल, दत्ता मेघे आयुर्विज्ञान अभिमत विश्वविद्यालयाचे उदय मेघे, मुख्य समन्वयक एस. एस. पटेल, शेतकरी नेते विजय जावंधिया, प्रो. सुरेश शर्मा यांच्या उपस्थितीत दीप प्रज्ज्वलनाने झाली. कार्यक्रमाचे संचालन प्रो. सुरेश शर्मा यांनी केले तर आभार प्रकुलगुरु प्रो. चित्तरंजन मिश्र यांनी मानले. कार्यक्रमाला वर्धेकर गणमान्य नागरिक, कला प्रेमी, रसिक आणि विद्यार्थी मोठया संख्येने उपस्थित होते.